



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]
No. 22]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 10, 1996/पौष 20, 1917
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 10, 1996/PAUSA 20, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

(विदेश व्यापार महाविदेशालय)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1996

का० आ० 24(अ).—मैसर्स एम० एस० शूज ईस्ट लि०, 5, एन डब्ल्यू ए, पंजाबी बाग एक्सटेंशन, नई दिल्ली को निम्नलिखित का आयात करने के लिए रुपये 6,50,00,000/- (अमरीकी डालर 25,00,000/-) का अधिम लाईसेंस संख्या पी/एल/1525698, दिनांक 27-8-93 और डी ई ई सी बुक संख्या 089577, दिनांक 27-8-93 जारी किया गया था :—

क्रमांक	आयात की मदें	मात्रा	लागत बीमा भाड़ा मूल्य (रु० में)
1.	काटन फैब्रिक्स डाइड/प्रिंटेड एम्ब्रायडर्ड	540 मी० टन	
2.	एल डी पी ई/एच डी पी ई/पी पी ग्रेनुअल्स	128 मी० टन	
3.	क्राफ्ट पेपर/कोटिड पेपर कार्ड बोर्ड /आइवरी बोर्ड के अलावा	156 मी० टन	
4.	सेल्फ एडहेसिव टेप	30470 रोल	
	कुल कागत	6,50,00,000/-	
	बीमा भाड़ा मूल्य अमरीकी डालर	25,00,000.00	

मद सं० 4 का लागत बीमा भाड़ा मूल्य अमरीकी डालर 18,750.00 से ज्यादा नहीं होगा।

लाईसेंस की वैधता शुरू में लाईसेंस जारी होने की तारीख से 12 महीने की थी जिसे बाद में 31-1-96 तक बढ़ा दिया गया था।

अब पार्टी ने इस आधार पर डी ई ई सी बुक (निर्यात) की अनुलिपि प्रदान करने का अनुरोध किया है कि वह गुम/अस्थानस्थ हो गई है। पार्टी ने आवश्यक हलफनामा प्रस्तुत किया है जिसके अनुसार उपरोक्त डी ई ई सी बुक (निर्यात) जे० एन० पोर्ट के पास पंजीकृत थी और उसका आंशिक उपयोग किया गया था। पार्टी ने बताया है कि डी ई ई सी बुक (निर्यात) कुल राशि अमरीकी डालर 3,750,000.00 के लिए जारी की गई थी।

हलफनामे में इस आशय की एक घोषणा भी शामिल की गई है कि यदि उक्त डी ई ई सी बुक (निर्यात) बाद में मिल जाती है या उसका पता चल जाता है तो उसे संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को वापिस कर दी जाएगी।

इस बात से सन्तुष्ट होने पर कि मूल डी ई ई सी बुक (निर्यात) खो गई है, अधोहस्ताक्षरी को यह निदेश हुआ है कि वह आवेदक को डी ई ई सी बुक (निर्यात) की एक दूसरी प्रति जारी कर दी जाए। साथ ही विदेश व्यापार (विकास विनियमन) अधिनियम, 1992 की उपधारा-4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा मूल डी ई ई सी बुक (निर्यात) को रद्द करते हैं।

[फा सं 01/81/40/1776/ए एम-93-डी ई एस-4/2611]

के एम् ब्रह्मे, उप महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Foreign Trade)

New Delhi, the 10th January, 1996

S.O. 24(E).— M/s. M. S. Shoes East Ltd., 5, N. W. A Punjabi Bagh Extension, New Delhi was issued an Advance Licence No. P/L/1525698 dated 27-8-93 and DEEC Book No 089577 dated 27-8-93 for Rs. 6,50,00,000/- (US \$25,00,000/-) for the import of the following:—

S.No.	Item of Imports	Quantity	cif value
1.	Cotton Fabrics Dyed/Printed embroidered	540 M.T.	
2.	LDPE/HDPE/PP Granules	128 M.T.	
3.	Kraft Paper/Coated Paper	156 M.T.	
	Card Board other than Ivori Board		
4.	Self Adhesive Tape	30470 Rolls	
	Total CIF value		Rs. 6,50,00,000/- US \$ 25,00,000.00
	CIF value of item No. 4 will not exceed US \$ 18,750.00)		

The initial validity of the licence was 12 months from the date of issue of the licence and later on the same was extended upto 31-1-96.

Now the party have applied for grant of a duplicate DEEC Book (Exports) on the ground that the same has been lost/misplaced. The party has furnished necessary affidavit according to which aforesaid DEEC Book (Exports) was registered with the J.N. Port and was partly utilised. The party has stated that the total amount for which the DEEC book (Export) was issued is US \$ 3,750,000.00.

A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that if the said DEEC Book (Exports) is traced or found later on, it will be returned to the concerned licensing authority.

On being satisfied that the original DEEC Book (Exports) has been lost, the undersigned is directed to issue a duplicate DEEC Book (Exports) to the applicant. At the same time in exercise of the powers conferred in sub-clause (4) of the Foreign Trade (Development Regulation) Act, 1992, the undersigned hereby cancel the original DEEC Book (Exports).

[F.No. 01/81/40/1776/AM93-DES-IV/2611]

K.M. BRAHME, Dy. Director General of Foreign Trade